ग्वालियर | सोमवार | 30 जून 2025 | वर्ष 30 | अंक 142 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी १९३४ से

5 राष्ट्रपति ट्रंप बोले- गाजा में समझौता हो

6 हेमा कमेटी से जुड़े सभी केस बंद क्यों?

7 कृषि उत्पादन 54 प्रतिशत तक उछला : रिपोर्ट

10 यूएस ओपन के फाइनल में आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा

एक नजर में

कांग्रेस ने रवि श्रीनिवास को किया निलंबित

हैदराबाद. तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दल विरोधी गतिविधियों को लेकर पार्टी नेता रवि श्रीनिवास को छह साल के लिए निलंबित कर दिया है। टीपीसीसी की अनुशासन समिति के अध्यक्ष एवं सांसद मल्लू रवि की अध्यक्षता में आज हुई बैठक के दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। एक बयान में कहा गया कि कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के डीसीसी अध्यक्ष विश्व प्रसाद की ओर से शिकायत के बाद श्री निवास को निलंबित किया। प्रसाद ने आरोप लगाया था कि श्रीनिवास ऐसी गतिविधियों में शामिल थे. जो कांग्रेस पार्टी के हितों के लिए हानिकारक थीं।

चैनल दफ्तर पर हमले में बीआरएस नेता गिरफ्तार

हैदराबाद. तेलंगाना के हैदराबाद में जुबली हिल्स पुलिस ने एक स्थानीय समाचार चैनल के दफ्तर पर कथित हमले के सिलसिले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता जी श्रीनिवास यादव को गिरफ्तार किया है। बीआरएस विद्यार्थी कार्यकर्ताओं ने शनिवार दोपहर कथित तौर पर समाचार चैनल के दफ्तर में तोड़फोड़ की। चैनल ने कुछ बीआरएस नेताओं के फोन टैपिंग मामले में समाचार प्रसारित किया था और इसी को लेकर बीआरएस कार्यकर्ताओं ने चैनल कार्यालय पर हमला किया। कार्यालय में तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने में उनकी कथित भूमिका के लिए रात को तेलंगाना भवन से जी श्रीनिवास यादव को गिरफ्तार कर लिया। बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनकी गिरफ्तारी की निंदा की।

धमकी पर भाजपा नेता पर मामला दर्ज

महोबा. उत्तर प्रदेश के महोबा में अनुसूचित वर्ग के जिला पंचायत अध्यक्ष को कार्यालय में घुसकर गाली गलौज करने ओर जान से मारने की धमकी दिए जाने पर पुलिस द्वारा भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष समेत दो लोगो के खिलाफ रविवार को आपराधिक मुकदमा पंजीकृत कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि जिला पंचायत महोबा में शनिवार कोतहबाजारी ठेका आवंटन हेतु टेंडर डाले जाने की प्रक्रिया सम्पन्न की जा रही थी। आरोप है कि भाजपा के महोबा नगर मंडल उपाध्यक्ष अंकित शुक्ला ओर जिले के बड़े खनिज कारोबारी महेश तिवारी अपने साथियों को लेकर मौके पर पहुंचे और सरकारी कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया। उन्होंने हंगामा करते हुये निविदा पेटी के पास बैठे पंचायत कर्मी से धक्का मुक्की करते हुये मारपीट की और पेटी में पानी डालने का प्रयास किया।

गुस्ताखी माफ

पुरी भगदड़ में 3 की मौत

रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर में हुआ हादसा, 50 घायल

भुवनेश्वर, 29 जून. ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया. रविवार सुबह करीब 4.30 बजे, जब भक्त श्रीगुंडिचा मंदिर के सामने भगवान के दर्शन करने के लिए भारी संख्या में जमा थे, उसी दौरान वहां धक्का-मुक्की हो गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई. इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि 50 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं.

घायलों को तुरंत पुरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. यह घटना शरधाबली के पास, श्रीगुंडिचा मंदिर के सामने उस वक्त हुई जब रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए भारी भीड़ जमा थी. दर्शन के समय भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया और लोगों में धक्का-मुक्की शुरू हो गई. कुछ लोग जमीन पर गिर पड़े और भगदड़ की स्थिति बन गई. इसी दौरान 3 लोग भीड़ के नीचे दब गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई. सभी मृतक खुर्दा जिले के बताए जा रहे हैं. मृतकों में दो महिलाएं प्रभाती दास और बसंती साहू और 70 वर्षीय प्रेमाकंत महांती शामिल हैं.

ऐसे बड़े धार्मिक आयोजन में जहां लाखों लोग जुटते हैं, वहां भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी पर सवाल उठने लगे हैं. घटना में घायल हुए लोगों को तत्काल 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया. डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज कर रही है. घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है. पुरी की रथ यात्रा देश की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में से एक है. हर साल लाखों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन के लिए पुरी पहुंचते हैं.

लापरवाही के लिए डीसीपी और कमांडेंट निलंबित

ओडिशा के पुरी में रथयात्रा के दौरान भगदड़ के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक पुरी के जिला कलेक्टर और एसपी का तबादला कर दिया गया है। इसके अलावा डीसीपी विष्णु पति और कमांडेंट अजय पाधी को ड्यूटी में लापरवाही के लिए निलंबित किया गया है।

25 लाख की आर्थिक सहायता

वहीं ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने प्रत्येक मृतक श्रद्धालु के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने विकास आयुक्त की देखरेख में विस्तृत प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं और जिला कलेक्टर और एसपी के तबादले के निर्देश दिए हैं। चंचल राणा को नया जिला कलेक्टर नियुक्त किया गया है, जबकि पिनाक मिश्रा ने नए एसपी का कार्यभार संभाला है।

ओडिशा सरकार ने दिए जांच के आदेश

ओडिशा सरकार ने पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के पास रविवार तड़के भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान मची भगदड़ की प्रशासनिक जांच के आदेश दिया है तथा पुलिस अधीक्षक स्तर के दो पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. इस हादसे में तीन श्रद्धालुओं की दुखद मौत हो गयी और कम से कम पचास अन्य लोग हुए हैं. मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस हादसे पर माफी मांगते हुए एक बयान जारी किया और घटना की प्रशासनिक जांच के आदेश दे दिए हैं. माझी ने भगदड़ में हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए विकास आयुक्त की देखरेख में एक उच्च स्तरीय प्रशासनिक जांच का गठन किया गया है.

(शेष पेज 12 पर)

पिकनिक मनाने गए 3 युवक बहे

एक पन्ना और दो सतना जिले के युवक

दोस्तों के साथ बृहस्पति कुंड में झरना देखने आए थे

पन्ना, 29 जून. जिले के ऐतिहासिक बृहस्पति कुंड में पिकनिक मनाना युवकों को महंगा पड़ा, जिसमें 3 युवक बह गए. इसमें एक युवक पन्ना जिले का और दो सतना जिले के बताए गए हैं।

पन्ना में हुई झमाझम बारिश से जिले के नदी नाले उफान पर है, जिसमें सबसे ज्यादा ऐतिहासिक बृहस्पति कुंड जो इन दिनों अपने पूरे सबाब पर है जहां बड़ी संख्या में लोग हजारों फिट से गिरते पानी को निहारने आ रहे है. यहां लापरवाही की वजह से हादसों का शिकार भी हो रहे हैं. ताजा मामला रविवार को एक बार फिर देखने को मिला. जहां प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बृहस्पति कुंड में 3 युवक लापता हो गए.

ये तीनों लड़के जिसमें अभिषेक वर्मन निवासी जिगदहा जिला पन्ना, कृष्णा शर्मा तथा त्वरित चौधरी निवासी भरहूत नगर सतना अपने दोस्तों के साथ बृहस्पति कुंड में झरना देखने आए थे. उनके साथ आए दोस्तों ने बताया कि जब वे कुंड में नहा रहे थे, तभी अचानक वे तीनों पानी में गायब हो गए और वापस नहीं आए. दोस्तों ने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी. स्थानीय प्रशासन और पुलिस को इस घटना की सूचना दे दी गई है. वही शाम करीब 5 बजे लापता लड़कों की तलाश के लिए तत्काल एक बचाव अभियान शुरू किया गया. पुलिस और होम गार्ड की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और गोताखोरों की मदद से कुंड में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया. बचाव दल लगातार तलाशी में जुटा हुआ है. समाचार लिखे जाने तक रेक्क्यू ऑपरेशन जारी था और युवकों का पता नहीं चल सका.

आजादी के बाद 8वीं जनगणना

- **पहले चरण का आगाज अप्रैल 2026 से**
- **सबसे पहले मकान सूचीकरण कार्य करेंगे**

नई दिल्ली, 29 जून. भारत सरकार ने आगामी जनगणना 2026 के पहले चरण की तारीख तय कर दी है. रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर बताया कि हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन और हाउसिंग जनगणना 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी.

दो चरणों में जनगणना होगी. पहला चरण- मकान सूचीकरण काम जिसे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) भी कहा जाता है. इसमें हर घर की स्थिति, सुविधाएं और संसाधनों की जानकारी ली जाती है.

वहीं दूसरा चरण- जनसंख्या गणना का है, यह चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा. इसमें हर व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक जानकारी ली जाएगी. इस चरण में सरकार यह पता लगाएगी कि घर की दीवार, छत और फर्श किस सामग्री की बनी है. घर में कितने कमरे हैं, कितने लोग रहते हैं, घर में शादीशुदा जोड़े हैं या नहीं, क्या घर का मुखिया महिला है या वह अनुसूचित जाति/जनजाति से है. इस बार की जनगणना खास होगी क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी. इसके लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल होगा.

दो बसों की टक्कर से लगी आग, 37 की मौत

दारअससलाम, 29 जून. उत्तरी तंजानिया में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला. जहां एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए. ये हादसा शनिवार शाम किलीमंजारो क्षेत्र के मोशी-टांगा हाईवे पर सबसबा इलाके में हुआ, जब दो बसें आपस में टकरा गईं और देखते ही देखते उनमें आग लग गई. इस हादसे के मारे गए लोगों की पहचान और राष्ट्रीयता की जानकारी अभी सामने नहीं आई है. वहीं घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में चल रहा है. हादसा के बाद देशभर में शोक की लहर दौड़ उठी. तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुहुलु हसन ने इस दर्दनाक हादसे पर गहरा शोक जताया है.

इंदौर के कई निजी अस्पतालों पर मारे छापे

क्लेम और अनुबंध दस्तावेजों की पड़ताल

भोपाल से आई टीम ने बनाए 13 दल

क्लेम रिकॉर्ड और अनुबंध शर्तों का किया परीक्षण

नवभारत न्यूज़

इंदौर. आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत संभावित गड़बड़ियों और अनियमितताओं की जांच को लेकर इंदौर के कई बड़े निजी अस्पतालों पर एक साथ छापामार कार्रवाई की गई. भोपाल से आए वरिष्ठ अधिकारियों की टीम ने स्थानीय आयुष्मान कार्यालय

के सहयोग से 13 अलग-अलग जांच दल बनाए और सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक शहर के प्रमुख अस्पतालों में दस्तावेजों की गहन छानबीन की.

यह कार्रवाई योजना से जुड़े निजी अस्पतालों द्वारा शासन को भेजे गए इलाज संबंधी बिल क्लेम, अनुबंध शर्तों के पालन और मरीजों पर वास्तविक खर्च की जानकारी के ऑनलाइन रिकॉर्ड के सत्यापन को लेकर की गई. जांच दलों ने यह परखा कि क्लेम की गई राशि योजना के निर्धारित नियमों के अनुरूप है या नहीं. सूत्रों के मुताबिक, भोपाल से आए 12 वरिष्ठ अधिकारी शनिवार देर रात और रविवार तड़के इंदौर पहुंचे. इन अधिकारियों ने इंदौर के आयुष्मान कार्यालय के 14 अधिकारियों के साथ मिलकर जांच दल तैयार किए. टीमों ने अस्पतालों से मरीजों के रजिस्टर, क्लेम से जुड़ी फाइलें, अनुबंध कॉपी, आयुष्मान कार्ड की डिटेल और इलाज से संबंधित सभी जरूरी दस्तावेज मांगे और मौके पर ही उनका मिलान भी किया.

फिलहाल इस कार्रवाई के नतीजों को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग और आयुष्मान योजना प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को रिपोर्ट सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. माना जा रहा है कि यदि जांच में गड़बड़ी और अनियमितताएं साबित होती हैं तो संबंधित अस्पतालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई तय है.

यहां-यहां पर पड़े छापे

जिन अस्पतालों पर कार्रवाई की गई उनमें टी. चोइथराम, सीएचएल केयर, ओ-2 हॉस्पिटल, किम्स, मेडिकेयर स्क्वेयर, गोकुलदास, राजश्री अपोलो, वेदांता, सलूजा आई केयर, भंडारी, इंडेक्स, गीता भवन एमिनेंट, शंकर आई, वर्मा यूनियन, बांठिया, एसएनजी और वी-वन हॉस्पिटल सहित कई अन्य प्रमुख नाम शामिल हैं.

अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण गलत

एससी/एसटी के भीतर क्रीमी लेयर सिद्धांत सही : सीजेआई

नई दिल्ली, 29 जून. भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने इंटरव्यू में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी/एसटी के भीतर क्रीमी लेयर सिद्धांत को लागू करने की मान्यता देना बतौर न्यायाधीश उनके करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक रहा है। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय को परिष्कृत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया।

उन्होंने कहा, उच्च पद पर बैठे एससी/एसटी जाति के अधिकारियों के बच्चों को उन्हीं

लाभों का पात्र मानना आरक्षण की मूल भावना को कमजोर करता है। वह इसी का लाभ लेकर इस पद पर पहुंचे हैं। यह टिप्पणी उस जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद आई है जिसमें एससी/एसटी समुदाय के भीतर उप-वर्गीकरण को मंजूरी दी गई है ताकि आरक्षण का लाभ वंचितों तक सही रूप में पहुंच सके। 14 मई को 52वें सीजेआई नियुक्त किए गए गवई ने न्यायिक अतिक्रमण के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक दुस्साहस या न्यायिक आतंकवाद नहीं बनना चाहिए। संसद कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका संवैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करती है। अतिक्रमण इस संतुलन को बिगाड़ता है।

आगरा में चार लोग जिंदा दफन

आगरा 29 जून. उत्तर प्रदेश-राजस्थान सीमा पर फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के दौलत गढ़ गांव के पास चंबल पाइपलाइन के लिए खुदाई कर रहे तीन महिलाओं समेत चार लोग आज जिंदा दफन हो गए।पुलिस ने यहां बताया कि मौके पर काम कर रहे करीब एक दर्जन महिला और पुरुष उस समय हादसे का शिकार हो गए। जब वे गड्ढा खोद रहे थे, तभी मिट्टी का एक हिस्सा धंस गया।इस घटना में कुछ मजदूर घायल हो गए। सभी मृतक फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के निकटवर्ती उत्टू गांव के निवासी थे।

ईडी ने जब्त की 638 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, 29 जून. प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में हरियाणा के पूर्व कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छोकर और उनसे जुड़ी कंपनियों की 557 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली। इस कार्रवाई के साथ इस मामले में अब तक जब्त कुल संपत्ति की राशि 638 करोड़ से अधिक हो चुकी है।

यह मामला महिरा इन्फ्राटेक लिमिटेड जो कि पहले साई आइना फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी और चौकर के सहयोगियों से जुड़ा है। जब्त की गई संपत्तियों में गुरुग्राम के सेक्टर 68, 103 और 104 में फैली 35

एकड़ जमीन, रिहायशी और व्यावसायिक संपत्तियां शामिल हैं। ईडी के अनुसार, आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज और जाली बैंक गारंटी के ज़रिए गुरुग्राम में सस्ती आवासीय परियोजनाओं के लिए लाइसेंस हासिल किए। इन परियोजनाओं के नाम पर करीब 3,700 लोगों से 616 करोड़ रुपये वसूले गए। इसके बावजूद कंपनी ने मकान समय पर डिलीवर नहीं किए और कथित तौर पर फंड्स की हेराफेरी की गई।

जांच में पता चला कि कंपनी के निर्देशकों और प्रमोटर्स ने पैसे को फर्जी निर्माण लागत दिखाकर अपनी सहयोगी कंपनियों को ट्रांसफर किया। इसके अलावा खरीदारों से जुटाए गए फंड को समूह की अन्य कंपनियों को कर्ज के रूप में स्थानांतरित किया गया जो वर्षों से बकाया है।ईडी ने गुरुग्राम की विशेष अदालत में चार्जशीट दायर की, जिसे अदालत ने संज्ञान में ले लिया है। इससे पहले फरवरी और मार्च में 81 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी।

मन की बात भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वियतनाम पहुंचे तो वहां राष्ट्रीय महोत्सव का माहौल बन गया

सूत्र में बांधते हैं महात्मा बुद्ध के विचार : पीएम मोदी

नयी दिल्ली, 29 जून. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भगवान बुद्ध के विचारों में दुनिया को एक सूत्र में बांधने की शक्ति है और यही वजह है कि वियतनाम में जब भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पहुंचे तो वहां राष्ट्रीय महोत्सव का माहौल बन गया और डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने इनके दर्शन किये.

मोदी ने रविवार को रेडियो पर प्रसारित अपने कार्यक्रम मन की बात में कहा कि भगवान बुद्ध के विचारों में वो शक्ति है जो देशों, संस्कृतियों और लोगों को

एक सूत्र में बांधती है.

उन्होंने कहा, पिछले दिनों मुझे वियतनाम के बहुत से लोगों ने विभिन्न माध्यमों से संदेश भेजे जिनकी हर पंक्ति में श्रद्धा, आत्मीयता और मन को छूने वाली भावनाएं थीं. वो लोग भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन कराने के लिए भारत के प्रति अपना आभार प्रकट कर रहे थे. उनके शब्दों में जो भाव थे वो किसी औपचारिक धन्यवाद से बढ़कर थे.

प्रधानमंत्री ने कहा कि मूल रूप से भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों की खोज आंध्र प्रदेश में पालनाडू जिले के नागार्जुनकोंडा में हुई थी. इस जगह का बौद्ध धर्म से गहरा नाता रहा है. कहा जाता है कि कभी इस स्थान पर श्रीलंका और चीन सहित दूर-दूर के लोग आते थे. पिछले महीने ही भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों को वियतनाम ले जाया गया और वहां 9 अलग- अलग स्थानों पर इन्हें जनता के दर्शन के लिए रखा गया. मोदी ने कहा, भारत की यह पहल एक तरह से वियतनाम के लिए राष्ट्रीय उत्सव बन गया.

पीढ़ियों को बचाना है पेड़ लगाना : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए कहा है कि यह आने वाली पीढ़ियों को बचाने के लिये है. मोदी ने पुणे के रमेश खरमाले का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ दो महीनों में 70 खड्ड बना डाले. उन्होंने कई सारे छोटे तालाब बनाए और सैकड़ों पेड़ लगाए हैं. वह एक ऑक्सीजन पार्क भी बनवा रहे हैं. इससे पक्षी लौटने लगे हैं और वन्य जीवन को नई सांसें मिल रही हैं. गुजरात के अहमदाबाद शहर में यहां नगर निगम ने मिशन फार मिलियन ट्री अभियान शुरू किया है. इसका लक्ष्य लाखों पेड़ लगाना है. इस अभियान के अंतर्गत सिंदूर वन बनाया जा रहा है.

टेस्ला कार बिना ड्राइवर फैक्ट्री से पहुंची घर

टेक्सस, 29 जून. इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली दिग्गज कंपनी टेस्ला ने अपनी पहली पूरी तरह से स्वायत्त और ड्राइवरलेस कार डिलीवरी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। एक मॉडल वाई कार टेस्ला के टेक्सास स्थित गिगाफैक्ट्री से ग्राहक के घर तक खुद चलकर पहुंची।

यह टेस्ला मॉडल वाई कार बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के, राजमार्गों, चौराहों, ट्रैफिक लाइट और शहरी सड़कों से होते हुए 30 मिनट में ग्राहक के घर पहुंच गई। यह डिलीवरी निर्धारित समय से एक दिन पहले ही हो गई। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में इस उपलब्धि की घोषणा की। मस्क ने लिखा, टेस्ला मॉडल वाई की फैक्ट्री से ग्राहक के घर तक की पहली पूरी तरह से स्वायत्त डिलीवरी, जिसमें राजमार्ग भी शामिल थे, तय समय से एक दिन पहले ही पूरी हो गई। कार में कोई व्यक्ति नहीं था और किसी भी समय कोई रिमोट ऑपरेटर नियंत्रण में नहीं था। पूरी तरह से स्वायत्त! मस्क ने इस उपलब्धि पर कपॉव लिखकर भी प्रतिक्रिया दी। टेस्ला ने इस मेगा उपलब्धि का वीडियो ऑनलाइन साझा किया.